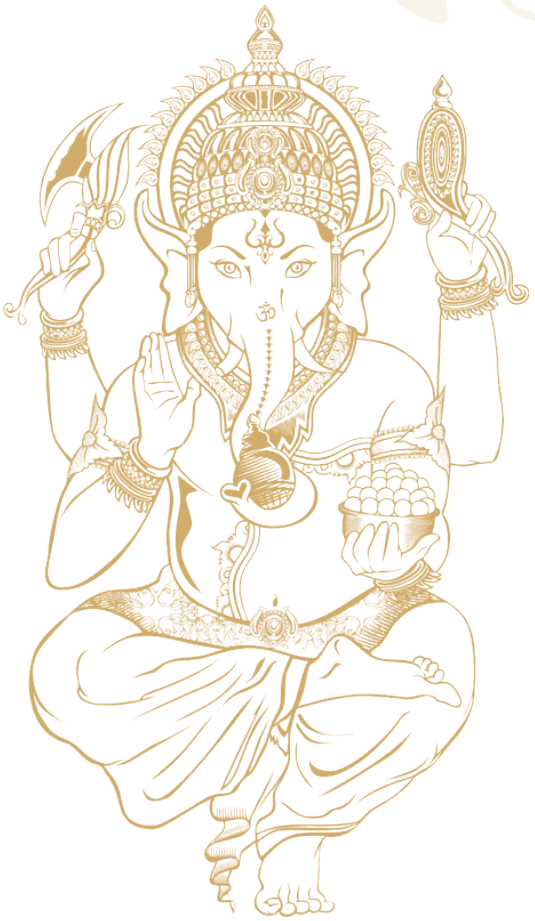

Gitika

03 Oct 1995

07:00 PM

Nuh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121316707

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/10/1995**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**19:00:00 घंटे**
इष्ट	31:50:56 घटी
स्थान	**Nuh**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:07:00 उत्तर
रेखांश	77:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:38:00 घंटे
वेलान्तर	00:10:45 घंटे
साम्पातिक काल	19:25:08 घंटे
सूर्योदय	06:15:37 घंटे
सूर्यास्त	18:06:26 घंटे
दिनमान	11:50:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:04:10 कन्या
लग्न के अंश	05:40:16 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सुकर्मा
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	05:40:16	476:31:06	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			कन्या	16:04:10	00:59:03	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			मक	11:46:33	14:02:57	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	सम राशि
मंगल			तुला	24:00:01	00:41:39	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कन्या	19:15:26	01:08:38	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु			वृश्चि	17:03:32	00:09:32	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	27:47:08	01:14:40	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	नीच राशि
शनि	व		कुंभ	26:07:29	00:04:11	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	स्वराशि
राहु	व		तुला	02:48:17	00:01:38	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		मेष	02:48:17	00:01:38	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	02:43:47	00:00:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	28:58:30	00:00:03	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	04:51:54	00:01:44	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			धनु	25:52:00	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:59

लग्न-चलित

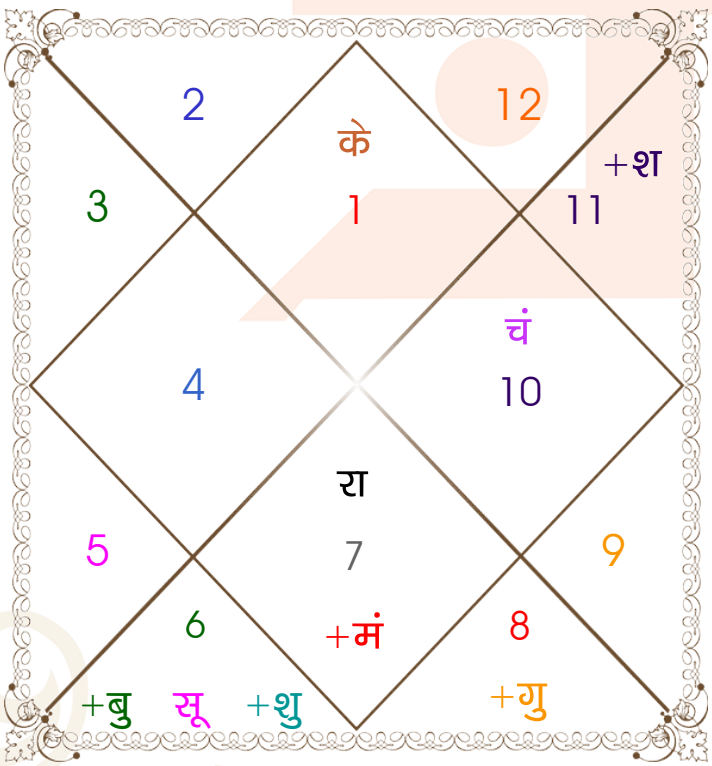

चन्द्र कुंडली

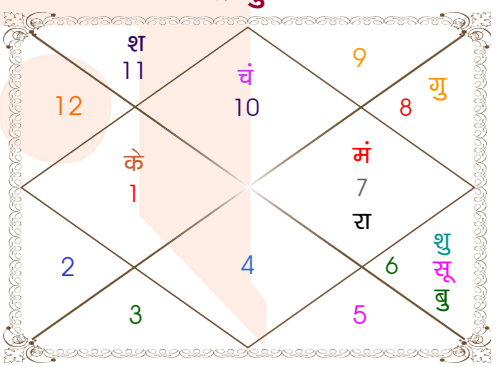

नवमांश कुंडली

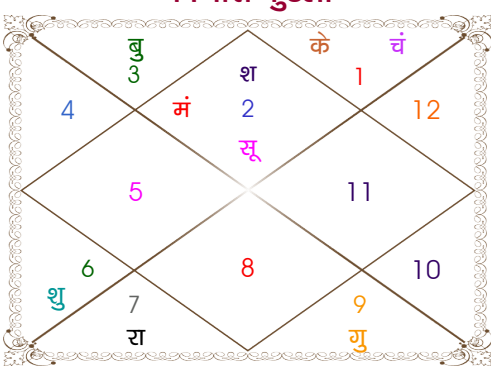

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 8 मास 0 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
03/10/1995		03/06/2004		04/06/2011		04/06/2029		04/06/2045	
03/06/2004		04/06/2011		04/06/2029		04/06/2045		03/06/2064	
	03/10/1995	मंगल	30/10/2004	राहु	14/02/2014	गुरु	23/07/2031	शनि	06/06/2048
मंगल	03/11/1995	राहु	18/11/2005	गुरु	10/07/2016	शनि	02/02/2034	बुध	14/02/2051
राहु	04/05/1997	गुरु	25/10/2006	शनि	17/05/2019	बुध	10/05/2036	केतु	25/03/2052
गुरु	03/09/1998	शनि	04/12/2007	बुध	03/12/2021	केतु	16/04/2037	शुक्र	26/05/2055
शनि	03/04/2000	बुध	30/11/2008	केतु	22/12/2022	शुक्र	16/12/2039	सूर्य	07/05/2056
बुध	03/09/2001	केतु	28/04/2009	शुक्र	21/12/2025	सूर्य	03/10/2040	चंद्र	06/12/2057
केतु	04/04/2002	शुक्र	28/06/2010	सूर्य	15/11/2026	चंद्र	02/02/2042	मंगल	15/01/2059
शुक्र	04/12/2003	सूर्य	03/11/2010	चंद्र	16/05/2028	मंगल	09/01/2043	राहु	21/11/2061
सूर्य	03/06/2004	चंद्र	04/06/2011	मंगल	04/06/2029	राहु	04/06/2045	गुरु	03/06/2064

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/06/2064		04/06/2081		03/06/2088		04/06/2108		05/06/2114	
04/06/2081		03/06/2088		04/06/2108		05/06/2114		00/00/0000	
बुध	31/10/2066	केतु	31/10/2081	शुक्र	04/10/2091	सूर्य	22/09/2108	चंद्र	05/04/2115
केतु	28/10/2067	शुक्र	31/12/2082	सूर्य	03/10/2092	चंद्र	23/03/2109	मंगल	04/10/2115
शुक्र	28/08/2070	सूर्य	08/05/2083	चंद्र	04/06/2094	मंगल	29/07/2109		00/00/0000
सूर्य	04/07/2071	चंद्र	07/12/2083	मंगल	04/08/2095	राहु	23/06/2110		00/00/0000
चंद्र	03/12/2072	मंगल	04/05/2084	राहु	04/08/2098	गुरु	11/04/2111		00/00/0000
मंगल	30/11/2073	राहु	22/05/2085	गुरु	05/04/2101	शनि	23/03/2112		00/00/0000
राहु	19/06/2076	गुरु	28/04/2086	शनि	04/06/2104	बुध	28/01/2113		00/00/0000
गुरु	24/09/2078	शनि	07/06/2087	बुध	05/04/2107	केतु	05/06/2113		00/00/0000
शनि	04/06/2081	बुध	03/06/2088	केतु	04/06/2108	शुक्र	05/06/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 8 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।